सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम – स्त्री सशक्तिकरण एवं विकास में डिप्लोमा

डी.डब्ल्यू.ई.डी.

2014–2015

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

: पता :

दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र)

फोन / फैक्स नं. : 07152–247146 वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

शंभू जोशी
सहायक प्रोफेसर

डी.डब्ल्यू.ई.डी. सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पत्र के लिए सत्रीय कार्य करना हैं। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर भेजी गई अध्ययन सामग्री के आधार पर ही देना है।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में खण्ड-अ और खण्ड-ब हैं। खण्ड-अ में तीन प्रश्न हैं और अधिकतम अंक 18 हैं और खण्ड-ब में 6 प्रश्न हैं और अधिकतम अंक 12 हैं। आपको सभी प्रश्न करने हैं। खण्ड-अ के प्रश्नों का उत्तर 800 से 1000 शब्दों में और खण्ड-ब के प्रश्नों का उत्तर 200 से 300 शब्दों में देना हैं।

सत्रीय कार्यो को आप **''निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय''** वर्धा में दिनांक : 30 अप्रैल, 2015 तक जमा कराएँ तथा आप अपने पास सत्रीय कार्यो की एक फोटोप्रति अनिवार्य रूप से रखें।

प्रस्तुतीकरण :-

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यो के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छदों में स्पष्ट संबंध हो, और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही-सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यो के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्दसीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

(कार्यक्रम संयोजक)

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : --------------------------------------

नाम : --

पता : --

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ----------------------------- -------------------------

सत्रीय कार्य कोड : ---------------------------------- दिनांक : ------------------

----

उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

3) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4) अपनी लिखावट में उत्तर दें।
5) सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जाँच के लिए ***निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र) के पास*** **अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल, 2015** तक प्रस्तुत करें । भेजने वाले लिफाफे के ऊपर ***''सत्रीय कार्यडीडब्ल्यूईडी ''*** अवश्य लिखें।

प्रश्न पत्र – एक

<u>जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य</u>

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18

नोट – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. नीतियों और जेंडर प्रशिक्षण के बीच की कड़ियों को सविस्तार बताइए।

प्रश्न 2. पी.आर.ए. के मुख्य सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 3. ग्रामीण और जनजातीय समाजों में चेतना निर्माण में लोक माध्यमों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – ब

अधिकतम अंक : 12

नोट – लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. जेंडर और लिंग में भेद बताइए।
प्रश्न 2. सहभागी अधिगम विधियों से क्या आशय है?
प्रश्न 3. प्रशिक्षण आवश्यकताएँ क्या है?
प्रश्न 4. प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभाविता की जाँच आप कैसे करेंगे ?
प्रश्न 5. जेंडर प्रशिक्षण में इंटरनेट की भूमिका बताइए।
प्रश्न 6. रिपोर्ट के तीन प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न पत्र - दो

स्त्री सशक्तिकरण की रणनीतियां

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. स्त्री अधीनीकरण के संस्थागत आधारों का उल्लेख कीजिए।
प्रश्न 2. निर्वाचित स्त्री प्रतिनिधियों की समस्याओं को सविस्तार बताइए।
प्रश्न 3. स्त्रियों के प्रजनन अधिकारों की चर्चा कीजिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. स्त्री सशक्तिकरण में राज्य की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. स्वयं सहायता समूह के लाभों को बताइए।

प्रश्न 3. ताडी विरोधी आंदोलन के समाज पर प्रभाव को बताइए।

प्रश्न 4. महिलाओं के लिए आरक्षण बिल पर अपने विचार रखें।

प्रश्न 5. विवाह अधिनियम 1955 का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 6. स्त्री सशक्तिकरण संबंधी राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न पत्र - तीन
स्त्री और विकास

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. विकास के संदर्भ में स्त्रियों की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. सहभागिता विकास के अवरोधों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 3. भूमि सुधार के संदर्भ में लैंगिक संबंधों की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. विकास के तीन स्वरूपों को संक्षेप में बताइए।

प्रश्न 2. संपोषित विकास का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. उपभोक्तावाद को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. स्त्री सशक्तिकरण में संचार माध्यमों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. भारत में कुपोषण के दुष्चक्र को बताइए।

प्रश्न 6. नई आर्थिक नीति को समझाइए।

प्रश्न पत्र - चार

ऋण और वित्त

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. एसएचजी गठन संबंधी विभिन्न मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. समूह निधि प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देशों को सविस्तार बताइए।

प्रश्न 3. बहीखाता प्रणालियों का वर्णन कीजिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. लघु वित्त की परिभाषा दीजिए।

प्रश्न 2. स्वयं सहायता समूहों की विशेषताएँ बताइए।

प्रश्न 3. नाबार्ड द्वारा एसएचजी के चयन हेतु विकसित मानकों को बताइए।

प्रश्न 4. तुलन पत्र का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. नेटवर्क हेतु प्रबंध सूचना तंत्र को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6. नेटवर्क की गतिविधियों में पारदर्शिता कैसे रखी जा सकती है?

प्रश्न पत्र - पांच

कार्य और उद्यमशीलता

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. स्त्री उद्यमियों को किन अवरोधों का सामना करना पड़ता है?

प्रश्न 2. स्वॉट विश्लेषण को सविस्तार बताइए।

प्रश्न 3. व्यावसायिक योजना निर्माण की सात श्रेणियों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. समर्थता प्रोत्साहन का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. आदर्श उद्यमी की विशेषताएं बताइए।

प्रश्न 3. उत्पादकता को बढ़ाने हेतु किन दृष्टिकोणों को अपनाया जाता है?

प्रश्न 4. पी.ओ.एम. क्या है?

प्रश्न 5. बजटीय नियत्रंण से आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6. स्त्रियों को उद्यमी बनाने हेतु सुझाव दीजिए।

प्रश्न पत्र - छह
संगठन और नेतृत्व

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. स्थायी समूहों के लिए बुनियादी अपेक्षाओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 2. अंतःवैयक्तिक सम्प्रेषण का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 3. एसएचजी के गठन के विभिन्न चरणों को बताइए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. समूहों से प्राप्त लाभों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 2. गुजरात राज्य महिला सेवा सहकारी परिसंघ पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 3. राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 4. प्रसविका विद्यापीठ का परिचय दीजिए।

प्रश्न 5. समुदाय नेताओं के निर्णयन चक्र के रेखाचित्र को बताइए।

प्रश्न 6. स्त्रियों में नेतृत्व विकास हेतु सुझाव दीजिए।

प्रश्न पत्र - सात

महिलाएं और समाज : वैश्विक सरोकार और स्थानीय मुद्दे

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. पितृसत्ता समाज में किस तरह कार्य करती है ?

प्रश्न 2. असंगठित क्षेत्र में स्त्री कामगारों के सामने आने वाली समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 3. राष्ट्रीय महिला आयोग का सविस्तार उल्लेख कीजिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. इस्लाम में स्त्रियां विषय पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. प्रतीकात्मक अंतर्क्रियावाद को समझाइए।

प्रश्न 3. प्रौद्योगिकी के स्त्री श्रम पर कुप्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. भारतीय दंड संहिता क्या है?

प्रश्न 5. समान नागरिक संहिता से आपका क्या अभिप्राय है?

प्रश्न 6. समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 की विशेषताएं बताइए।

****